भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1949
उत्तर देने की तारीख-05/08/2026

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में शैक्षिक अवसंरचना

1949 श्री हर्ष महाजन:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नवीनतम उपलब्ध ब्यौरों के अनुसार हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के बीच साक्षरता दर, विशेष रूप से महिला साक्षरता दर तथा इसका राज्य एवं राष्ट्रीय औसत के साथ तुलनात्मक ब्यौरा क्या है;
(ख) किन्नौर, लाहौल एवं स्पिति, पांगी एवं भरमौर के जनजातीय उपमंडलों में कार्यशील विद्यालयों एवं संस्थाओं की संख्या कितनी है तथा इन क्षेत्रों में शैक्षणिक अवसंरचना के लिए विगत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार आवंटित एवं निर्गत की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सीमावर्ती क्षेत्रों में जनजातीय समुदायों के बीच महिला साक्षरता एवं विद्यालय नामांकन में सुधार के लिए कोई विशेष योजनाएँ लागू हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) इन क्षेत्रों में शैक्षणिक परिणामों की कमी, यदि कोई हो, का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार हिमाचल प्रदेश में राज्य और राष्ट्रीय औसत की तुलना में, अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता दर, नीचे तालिका में दी गई है।

प्रतिशत में साक्षरता की स्थिति

श्रेणी	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**
सभी (राष्ट्रीय स्तर)	72.98	80.88	64.63
अनुसूचित जनजाति (राष्ट्रीय स्तर)	58.96	68.53	49.35

सभी (हिमाचल प्रदेश - राज्य स्तर)	82.80	89.53	75.93
अनुसूचित जनजाति (हिमाचल प्रदेश - राज्य स्तर)	73.64	83.17	64.20

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश राज्य ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, 2025 के अवसर पर स्वयं को 8 सितंबर 2025 को "पूर्ण साक्षर" राज्य घोषित किया।

(ख): हिमाचल प्रदेश राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, किन्नौर, लाहौल-स्पीति, पांगी और भरमौर के जनजातीय ब्लॉकों में कार्यरत स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों साथ ही पिछले तीन वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों में शैक्षिक अवसंरचना के लिए आवंटित और जारी की गई निधियों का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) और (घ): सरकार सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदायों सहित जनजातीय समुदायों में साक्षरता (महिला साक्षरता सहित), स्कूल नामांकन और शैक्षिक परिणामों में सुधार करने के लिए विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित कर रही है। इनमें समग्र शिक्षा, पीएम श्री स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल (ईएमआरएस), निपुण भारत मिशन, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, दीक्षा और पीएम ई-विद्या जैसी डिजिटल शिक्षण पहल, और 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के गैर-साक्षर व्यक्तियों के लिए उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम शामिल हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच में सुधार करना, नामांकन और प्रतिधारण को बढ़ाना, स्कूल छोडने की दरों को कम करना, स्कूल की अवसंरचना को मजबूत करना, शिक्षण-अधिगम की प्रक्रियाओं और शिक्षक की क्षमता में सुधार करना और डिजिटल और मूलभूत शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने सुधारात्मक शिक्षा, निरंतर मूल्यांकन, नियमित निगरानी, गतिविधि-आधारित शिक्षाशास्त्र और शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) की व्यवस्था के माध्यम से अधिगम की कमी को दूर करने के लिए लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्राम (एलईपी), अभ्यास हिमाचल पहल और निपुण हिमाचल मिशन को लागू किया है।

*****

अनुलग्नक

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में शैक्षिक अवसंरचना के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री हर्ष महाजन द्वारा पूछे गए दिनांक 05/08/2026 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1949 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

किन्नौर, लाहौल-स्पीति, पांगी और भरमौर के जनजातीय ब्लॉकों में कार्यरत स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों की संख्या

जनजातीय क्षेत्र	वर्ष	स्कूलों की संख्या					शैक्षिक संस्थान
		जीपीएस	जीएमएस	जीएचएस	जीएसएसएस	कुल	
किन्नौर (जनजातीय जिला)	2023-24	158	26	19	32	235	रेकॉन्गपिओ में एक डाइट
	2024-25	151	22	19	33	225	
	2025-26	146	18	19	33	216	
लाहौल-स्पीति (जनजातीय जिला)	2023-24	170	27	12	28	237	टांडी में एक डाइट
	2024-25	158	25	12	28	223	
	2025-26	154	23	12	28	217	
पांगी	2023-24	65	12	8	9	94	लागू नहीं
	2024-25	65	11	8	9	93	
	2025-26	65	10	8	9	92	
(जनजातीय ब्लॉक)	2023-24	116	15	8	15	154	लागू नहीं
	2024-25	105	15	7	15	142	
	2025-26	104	15	7	15	141	

पिछले तीन वर्षों के दौरान किन्नौर, लाहौल-स्पीति, पांगी और भरमौर में शैक्षिक अवसंरचना के लिए वर्ष-वार आवंटित और जारी की गई निधियाँ।

जनजातीय क्षेत्र	वर्ष	आवंटित निधियाँ (धनराशि लाख में)	जारी की गई निधियाँ (धनराशि लाख में)
किन्नौर (जनजातीय जिला)	2023-24	37.90	37.90
	2024-25	718.65	718.65
	2025-26	251.39	251.39
लाहौल-स्पीति (जनजातीय जिला)	2023-24	4.05	4.05
	2024-25	126.50	126.50
	2025-26	169.02	169.02
पांगी	2023-24	27.10	27.10
	2024-25	17.00	17.00
	2025-26	186.82	186.82
(जनजातीय ब्लॉक)	2023-24	40.80	40.80
	2024-25	21.50	21.50
	2025-26	207.50	207.50

*****